विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 18 से 24 अप्रैल 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 43 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

पूज्य बाबूजी का ज़ीवन सिद्धांत

आज सुविधाएँ, धन-दौलत तथा आवक बढ़ने के बाद भी सभी का सुख-चैन छिना हुआ है. सभी परेशान दिखते हैं, चेहरे की रौनक तो गायब हो गई है.इसके पीछे क्या कारण है. क्या धन से खुशी मिलती है, इसका उत्तर शायद नहीं हो. खुशी का जरिया धन से कुछ हद तक जुटाया जा सकता है. लेकिन असली खुशी मित्रों, अच्छे और सच्चे परिवार से मिलती है. आज के दौर में बहुत कम ऐसे भाग्यशाली हैं, जिन्हें यह मिलता है.

विदर्भ की 5 सीटों के लिए कल मतदान

लोकसभा चुनाव,रामटेक,नागपुर,भंडारा-गोंदिया, गढचिरोली तथा चंद्रपुर के लिए वोटिंग

विदर्भ स्वाभिमान,17 अप्रैल

मुंबई/अमरावती- देश में लोकसभा चुनाव की ग़हमागहमी के बीच विदर्भ की पांच सीटों के लिए शुक्रवार 19 अप्रैल को मतदानहोने वाला है. इसकी सभी तैयारियां हो गई हैं. चुनाव अधिकारियों की तैनाती के साथ ही सभी मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं के लिए सभी प्रकार के प्रबंध किए गए हैं. इस दौरान भाजपा ने जहां सत्ता के 400 पार के लिए पूरी ताकत झोंक दी, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस तथा विपक्षी दलों के गठबंधन ने भी अपनी वापसी के लिए प्रचार के अंतिम समय तक पूरी ताकत झोंक दी है. इसमें जनता

लोकतंत्र की मजबूती में हर वोट की महत्वपूर्ण कीमत होती है. राष्ट्र धर्म, देश के विकास तथा विश्व का महागुरू बनाने की ताकत हमारे वोट में है. इसलिए हर मतदाता को वोट देना चाहिए. इतना ही नहीं तो लोकतंत्र की मजबूती के साथ ही बेहतरीन सरकार के लिए हर वोट की कीमत महत्वपूर्ण होती है.शतप्रतिशत मतदान जरूरी है.

विदर्भ स्वाभिमान जागरण अभियान

किसको सिकंदर बनाती है, इसके कयास लगाना शुरू हो गया है.

लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण में जिन पांच सीटों के लिए चुनाव होने वाला है, उनमें रामटेक, नागपुर, भंडारा-गोंदिया, गडचिरोली-चिमूर के अलावा चंद्रपुर सीट का समावेश है. नागपुर की सीट पर पूरे देश की नजरें लगी हुई हैं. इसके साथ ही पहले चरण के तहत देश की 102 सीटों के लिए चुनाव होने वाला है. 19 अप्रैल को 21 राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों की 102 सीटों के लिए मतदान होने वाला है. इसमें तमिलनाडू 39, यूपी 8, राजस्थान 12, बिहार 4, छत्तीसगढ़ 1, मध्य प्रदेश की 6 तथा महाराष्ट्र की 5 सीटों का समावेश है.

इसके साथ ही चौथे चरण की 11 सीटों के लिए लोकसभा चुनाव पर नामांकन गुरूवार से शुरू होगा. इन सीटों के लिए उम्मीदवार 25 अप्रैल तक पर्चा दाखिल कर सकेंगे.चौथे चरण में उत्तर महाराष्ट्र में 5, मराठवाडा की 3 पश्चिम महाराष्ट्र को 3 सीटों का समावेश है. चौथे चरण की सीटों पर 13 मई को मतदान होगा.

संपादकीय

श्रीराम का आदर्श ही सभी को तार सकता

मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम का जन्मोत्सव 17 अप्रैल को मनाया गया. इस मौके पर अमरावती में जिस तरह की भव्य शोभायात्रा निकाली गई. इस बार की शोभायात्रा अभूतपूर्व रही. देश में जिस तरह श्रीराममय माहौल हो गया. जिस तरह से एकता का दर्शन इस दौरान हुआ, वह भी सराहनीय ही कहा जा सकता है. प्रभु श्रीराम मर्यादा पुरूषोत्तम रहने के साथ हर भारतीयों के मन में रचे बसे हैं. उनका आदर्श विचार यदि हम अपना सके तो निश्चित ही हमारा ही जीवन नहीं बल्कि परिवार, समाज का भला हो सकता है. राम रामायण के अनुसार,महाराज दशरथ और रानी कौशल्या के सबसे बड़े पुत्र, सीता के पति व लक्ष्मण, भरत तथा शत्रघ्न के भ्राता थे. हनुमान उनके परम भक्त थे. लंका के राजा रावण का वध उन्होंने ही किया था. उनकी प्रतिष्ठा मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में है क्योंकि उन्होंने मर्यादा के पालन के लिए राज्य, मित्र, माता-पिता तक का त्याग किया.वे भगवान विष्णु के अवतार माने जाते हैं. माता सीता का अपहरण रावण द्वारा किया गया, जिसकी खोज में जटायु पक्षी, जो बात करता था तथा जिसने रावण का प्रतिकार किया था, का पिता के समान अन्त्येष्टि संस्कार किया. आगे वानर द्वय हनुमान और सुग्रीव से मिले. सुग्रीव के साथ मैत्री की और उसके भाई बालि का वध कर सुग्रीव को वानरों और रीछों का राजा बनाया. हनुमानजी ने 100 योजन समुद्र लाँघ कर लंका में माता सीता की खोज की. श्रीराम ने रावण के भाई विभीषण को शरण दी. उन्होंने रावण को उसके पुत्र मेघनाद तथा भाई कुंभकर्ण सहित मार गिराया. रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापित किया जो कि ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रसिद्ध है. नवरात्रि में शक्ति की पूजा के उपरांत समुद्र पर पुल बनाया और रावण को विभीषण के द्वारा बताए रहस्य जान कर मार गिराया.पुष्पक विमान के द्वारा माता सीता को लेकर शीघ्र भरतजी के पास अयोध्या पहुँचे. महर्षि वाल्मीकि ने संस्कृत भाषा का प्रथम महाकाव्य रामायण की रचना की.

महाकवि गोस्वामी तुलसीदास ने भी उनके जीवन पर केन्द्रित भक्तिभाव पूर्ण सुप्रसिद्ध महाकाव्य रामचरितमानस की रचना की, जो कि अवधी भाषा की श्रेष्ठ एवं वृहत्तम रचना है. संप्रति, यह अत्यंत प्रसिद्ध है. इसे एक धर्मग्रन्थ की संज्ञा दी गयी है. इन दोनों के अतिरिक्त अन्य भारतीय भाषाओं में भी रामायण की रचना हुई हैं, जो बहुत प्रसिद्ध भी हैं. स्वामी करपात्री ने रामायण मीमांसा में विश्व की समस्त रामायणों का उल्लेख किया है. दक्षिण के क्रांतिकारी पेरियार रामास्वामी व ललई सिंह की रामायण तीक्ष्ण आलोचनादृष्टि से युक्त है. भारत में राम अत्यन्त पूजनीय हैं और आदर्श पुरुष हैं तथा विश्व के कई देशों में भी श्रीराम आदर्श के रूप में पूजे जाते हैं, जैसे नेपाल, थाईलैण्ड, इण्डोनेशिया आदि.वैदिक धर्म के कई त्योहार, जैसे दशहरा, राम नवमी और दीपावली, श्रीराम की कथा से जुड़े हुए हैं.प्रभु श्रीराम के आदर्श आचरण को जीवन में उतारने और स्वयं के साथ ही समाज तथा राष्ट्र के विकास के बारे में सोचना चाहिए. ऐसा करने से देश महान बनेगा, इतना निश्चित है.

मतदाताओं के क्या होते हैं मापदंड

विदर्भ स्वाभिमान

राय बताएं-9423426199/8855019189

www.vidarbhswabhiman.com

भारत विश्व का महान लोकतंत्र है. यह सभी भारतीयों के लिए गर्व का विषय है. लेकिन भारतीय मतदाताओं के वोट देने का क्या कोई मापदंड होता है. किस आधार पर मतदाता मानसिकता बनाता है. कांग्रेस जहां अल्पसंख्यकों को अपना गड्ढा वोट बैंक मानती है, वहीं कई बार माना जाता है कि भाजपा को मुस्लिम वोट नहीं मिलते हैं. क्या इसमें सच्चाई है, ऐसे कई सवाल हैं. अमरावती संसदीय चुनाव ही नहीं बल्कि मतदाताओं के वोटबैंक का मापदंड किस आधार पर होता है, यह पता नहीं चलता है. इसके साथ ही इस सच से भी इंकार नहीं कर सकते हैं कि 20 फीसदी ऐसे वोटर होते हैं, जिनका फैसला वोट के दिन होता है. बाकी 30 फीसदी वोटरों का मन लोगों की चर्चाएं और लहर को लेकर तय होता है. चूंकि वोटिंग का प्रतिशत कितना रहता है, इस पर ही कई बार जीत-हार तय होती है, ऐसे में जो अनुभवी और समझदार प्रत्याशी होते हैं, वे वोटिंग लिस्टकी जांच कर पता लगाते हैं कि कितने मतदाता उनके पक्के हैं. ऐसे भी कई नेता हैं, जिनका यह अक्यूरेट रहता है और वे कई चुनाव जीतते हैं.भारत में लोग किस तरह वोट देते हैं, इसका कोई स्पष्ट मापदंड नहीं है. लेकिन चुनाव में जाति,धर्म, पंथ के साथ ही कई बार उम्मीदवार के व्यक्तित्व का असर पार्टी से अधिक पड़ता है. यही कारण है कि कई सीटों पर भारी वोटों से प्रत्याशी लगातार चुना जाता है. जहां तक नेताओं में नैतिकता का सवाल है, वह गायब होने से सभी अपने-अपने दांव पर रहते हैं. इतना ही नहीं तो कार्यकर्ता भी पहले पैसा लेता है, इसके बाद जिंदाबाद के नारे लगाता है.

अल्पसंख्यकों की दुहाई कांग्रेस सहित सभी देते हैं. लेकिन बात जब प्रतिनिधित्व की आती है तो सभी फिसड्डी साबित होते हैं. महाराष्ट्र की 48 सीटों में एक भी मुस्लिम को न तो कांग्रेस ने उम्मीदवारी दी है और न ही भाजपा ने ही उम्मीदवारी दी है.आजकल पार्टी के कार्यकर्ता भी कई बार गलत उम्मीदवार देने पर वोट नहीं देते हैं. यह बात केवल किसी एक पार्टी नहीं बल्कि सभी पार्टियों में रहती है. भारतीय परिवारों का एक बड़ा प्रतिशत ऐतिहासिक रूप से एक पार्टी को वोट देता है. कुछ फीसदी मतदाता ऐन मौके पर वोट का फैसला करते हैं. वहीं कांग्रेस से पीढ़ीगत जुड़े या भाजपा से पीढ़ीगत जुड़े लोगों का वोट इन पार्टियों को मिलता है.लाखों मतदाता ऐसे भी हैं, जिनका वोट निर्णायक होता है लेकिन वे अंतिम समय में ही फैसला करते हैं. आजकल तो केवल विकास भी वोट का मापदंड नहीं रहा है.

त्याग,तपस्या, मर्यादा तेजपुंज श्रीराम

विदर्भ स्वाभिमान

मर्यादा के सर्वोच्च केन्द्रबिंदु

राम से बड़ा राम का नाम

प्रभु श्रीराम केवल एक नाम भर नहीं,बल्कि मर्यादा पुरूषोत्तम के साथ ही हर रिश्तों , नातों को निभाने के साथ ही आदर्श राजा, जिनके राज में कोई दुःखी,दरिद्री नहीं रहता है, कोई बीमार नहीं होता है और सर्वत्र खुशी. समय पड़ने पर जनता के लिए अपनी खुशियों को कुर्बान करने वाले महान राजा की भूमिका जहां उन्हों ने निभाई है, वहीं जाति-पाति और पंथ को सदैव समान महत्व दिया है. कोई छोटा नहीं, कोई बड़ा नहीं बल्कि अपने कर्म के मुताबिक सभी को अपनी योग्यता साबित करने का अधिकार रहने की बात पर जोर दिया. साथ ही संसार को भी यही संदेश दिया कि कर्म से व्यक्ति महान बनता हैं.हमें भी इसी का ध्यान रखना चाहिए. श्रीराम नवमी को लेकर इस बार अमरावती शहर में निकाली गई शोभायात्रा जहां भव्य दिव्य थी, वहीं अयोध्या में श्रीरामलला विराजित होने के बाद इस बार का श्रीराम जन्मोत्सव बाकी की तुलना में अलग उत्साह, उर्जा और उमंग से भरा लग रहा था.

श्रीराम केवल नाम नहीं बल्कि वे जन-जन के कंठहार हैं, मन-प्राण हैं, जीवन-आधार हैं. उनसे भारत अर्थ पाता है. वे भारत के प्रतिरूप हैं और भारत उनका. उनमें कोटि-कोटि जन जीवन की सार्थकता पाता है. भारत का कोटि-कोटि जन उनकी आँखों से जग-जीवन को देखता है.राम केवल एक नाम भर नहीं, बल्कि वे जन-जन के कंठहार हैं, मन-प्राण हैं, जीवन-आधार हैं, उनसे भारत अर्थ पाता है, वे भारत के प्रतिरूप हैं और भारत उनका, उनमें कोटि-कोटि जन जीवन की सार्थकता पाता है. भारत का कोटि-कोटि जन उनकी आँखों से जग-जीवन को देखता है. उनके दृष्टिकोण से जीवन के संदर्भों-परिप्रेक्ष्यों-स्थितियों-परिस्थितियों-घटनाओं-,प्रतिघटनाओं का मूल्यांकन-विश्लेषण करता है. भारत से राम और राम से भारत को विलग करने के भले कितने कुचक्र-कलंक रचे जाएँ, भले कितनी वामी-विदेशी चालें चली जायँ, यह संभव होता नहीं दिखता. क्योंकि राम भारत की आत्मा हैं, राम भारत के पर्याय हैं, राम निर्विकल्प हैं, उनका कोई विकल्प नहीं,जिस प्रकार आत्मा को शरीर से और शरीर को आत्मा से कोई विलग नहीं कर सकता, उसी प्रकार राम को भारत से विलग नहीं किया जा सकता, राम के सुख में भारत के जन-जन का सुख आश्रय पाता है, उनके दुःख में भारत का कोटि-कोटि जन आँसुओं के सागर में डूबने लगता है और वे अश्रु-धार भी ऐसे परम-पुनीत हैं कि तन-मन को निर्मल बना जाते हैं.

अश्रुओं की उस निर्मल-अविरल धारा में न कोई जलन शेष रहती है, न कोई अहंकार, न कोई लोभ, न कोई मोह, न कोई अपना, न कोई पराया, कैसा अद्भुत है यह चरित-काव्य, जिसे बार-बार सुनकर भी और सुनने की चाह बची रहती है और रसपान की प्यास बनी की बनी रह जाती है! कैसा अद्भुत है यह नाम जिसके स्मरण मात्र से नयन-चकोर उस मुख-चंद्र की ओर टकटकी लगाए एकटक निहारते रह जाते हैं. उस चरित्र को अभिनीत करने वाले, उस चरित्र को जीने वाले, लिखने वाले हमारी आत्यंतिक श्रद्धा के सर्वोच्च केंद्रबिंदु बन जाते हैं, उसके सुख-दुःख, हार-जीत, मान-अपमान में हमें अपना सुख-दुःख, हार-जीत, मान-अपमान प्रतीत होने लगता है, उसकी प्रसन्नता में सारा जग हँसता प्रतीत होता है और उसके विषाद में सारा जग रोता दिखाई देता है. प्रभु श्रीराम जहां मानवता के सर्वोच्च बिन्दु कहे जा सकते हैं, वहीं परिवार का प्रेम, त्याग कैसा हो, इसका आदर्श उदाहरण उन्हों ने विश्व के समक्ष प्रस्तुत किया.

भाव का सर्वाधिक महत्व

मानव जीवन में भाव और भावनाओं का अत्याधिक महत्व होता है. जैसी नजर होगी, नजरिया वैसा ही रहेगा. श्रीराम सकारात्मक सोच के तेजपुंज हैं. उनका नाम स्मरण करने मात्र से मन के मलिन विचार दूर हो जाते हैं. श्रीराम नाम का जाप अगर व्यक्ति द्वारा जीवनभर किया जाए तो उसके मन में कभी गलत विचार नहीं आ सकते हैं. लाख प्रयासों के पश्चात भी जिसे परिजनों की दृष्टि से ओझल न रख पाया जाय, भावनाओं के उस तीव्रतम वेग का अनुमान आप सहज ही लगा सकते हैं और क्या यह केवल मेरे चित्त की अवस्था है? श्रीराम का हर रूप हमेशा मानवता को प्रेरणा देने का काम करने में सक्षम हो सकता है.

शेष पेज 4 पर

सुदर्शन गांग

सुख्यात समाजसेवी तथा नेक कामों में अग्रणी व्यक्तित्व

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com

संविधान के कारण ही अनेकता में भी है एकता

साक्षात्कार : डॉ.बाबासाहब आंबेडकर का कार्य महान है, भारतीय संविधान विश्वभर में महान-रतन कांबले

विदर्भ स्वाभिमान, 17 अप्रैल अमरावती- भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बाबासाहब आंबेडकर सही मायनों में देश के जननायक थे.उन्होंने भारत को विश्व का सबसे महान संविधान दिया, जिसमें देश को अनेकता में भी एकता के सूत्र में पिरोने और किसी को भी तानाशाही नहीं होने देने की व्यवस्था की. उन्होंने गरीबों, दीन-दलितों तथा पिछड़ों के कल्याण का जहां कार्य किया, वहीं दूसरी ओर राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. इस आशय का मत संघर्ष में तपकर सोना हुए रतन कांबले ने व्यक्त किया.

डॉ.बाबासाहब आंबेडकर जयंती पर उन्हों ने विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत में कहा कि उनके संविधान का ही यह कमाल है कि आजादी के बाद से देश एकसंघ है और तेजी से प्रगति कर रहा है. यह अपने आप में गर्व के साथ हर भारतीय के लिए गौरव की भी बात है. इन शब्दों में केन्द्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रम से प्रबंधक के रूप में सेवानिवृत्त रतनभाऊ कांबले ने भारत रत्न डॉ. बाबासाहब आंबेडकर जयंती पर अपनी भावनाएं व्यक्त की. उनके मुताबिक आज के दौर में उनके विचारों पर चलने से ही देश का तथा समाज का भला हो सकता है. डॉ. बाबासाहब आंबेडकर को दूरदर्शी महान नेता बताते हुए रतनभाऊ ने कहा कि भारतीय संविधान समूचे विश्व में

सबसे बेहतरीन है. आज इसी की ताकत है कि आम व्यक्ति को वोट का अधिकार देकर अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार दिया गया है. स्वयं भी संघर्ष से जूझकर अपना स्थान बनाने वाले रतनभाऊ की जीवन स्टोरी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं है.

समस्याओं से मुक्त रहने वाला जीवन में कोई भी व्यक्ति नहीं है. फर्क समस्याओं की गंभीरता को लेकर हो सकता है. लेकिन समस्याओं से जूझने का माद्दा जो लोग रखते हैं, उन्हें कोई भी समस्या कभी त्रस्त नहीं कर पाती है. इसलिए समस्याओं का रोना रोने की बजाय उनके समाधान की दिशा में सदैव प्रयास करने की सीख रतनभाऊ कांबले ने दी. स्वयं केन्द्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रम से प्रबंधक के रूप में सेवानिवृत्त रतनभाऊ का कहना है कि संघर्ष जिदगी में सफलता का सूत्र होता है. उनके मुताबिक डॉ. बाबासाहब आंबेडकर ने जीवन में शिक्षा का महत्व बताया था.आज उनके ही सीख ने लाखों की जिंदगी बदल दी.बचपन से लेकर स्वयं खतरनाक संघर्षों से जूझते हुए रतनभाऊ कांबळे ने अपनी अथक, मेहनत, लगन से उच्च पद प्राप्त किया. नेत्रहीन रहने के बाद भी उन्होंने कभी मन में कमी की भावना नहीं लाई,बल्कि सदैव कुछ बनने की जिद के साथ लगातार प्रयास करते रहे. दिव्यांगो को अपनी कमजोरी का रोना नहीं रोते हुए जीवन में मेहनत के बलबूते ऊंचाईयां हासिल करने की सीख दी. उनके मुताबिक जिद के आगे दुनिया झुकती है. ऐसे में केवल मेहनत करने की तैयारी रखो, सही दिशा में और सही मन से की गई मेहनत तुम्हे स्वयं ही सफलता के पास तक पहुंचाने की ताकत रखती है.रतन कांबले के मुताबिक जीवन में मेहनत, लगन और समर्पण हो तो सफलता हासिल की जा सकती है,इसका उदाहरण डॉ.बाबासाहब आंबेडकर रहे हैं.

भजु दीनबंधु दिनेश दानव, दैत्य वंश-निकन्दनं ।
रघुनन्द आनंदकंद कोशल चन्द दशरथ-नन्दनं ।।

शुभेच्छुक

अरूण कडू
सुदर्शन गांग
प्रदीप जैन तथा आनंद
परिवार, बडनेरा,
अमरावती.

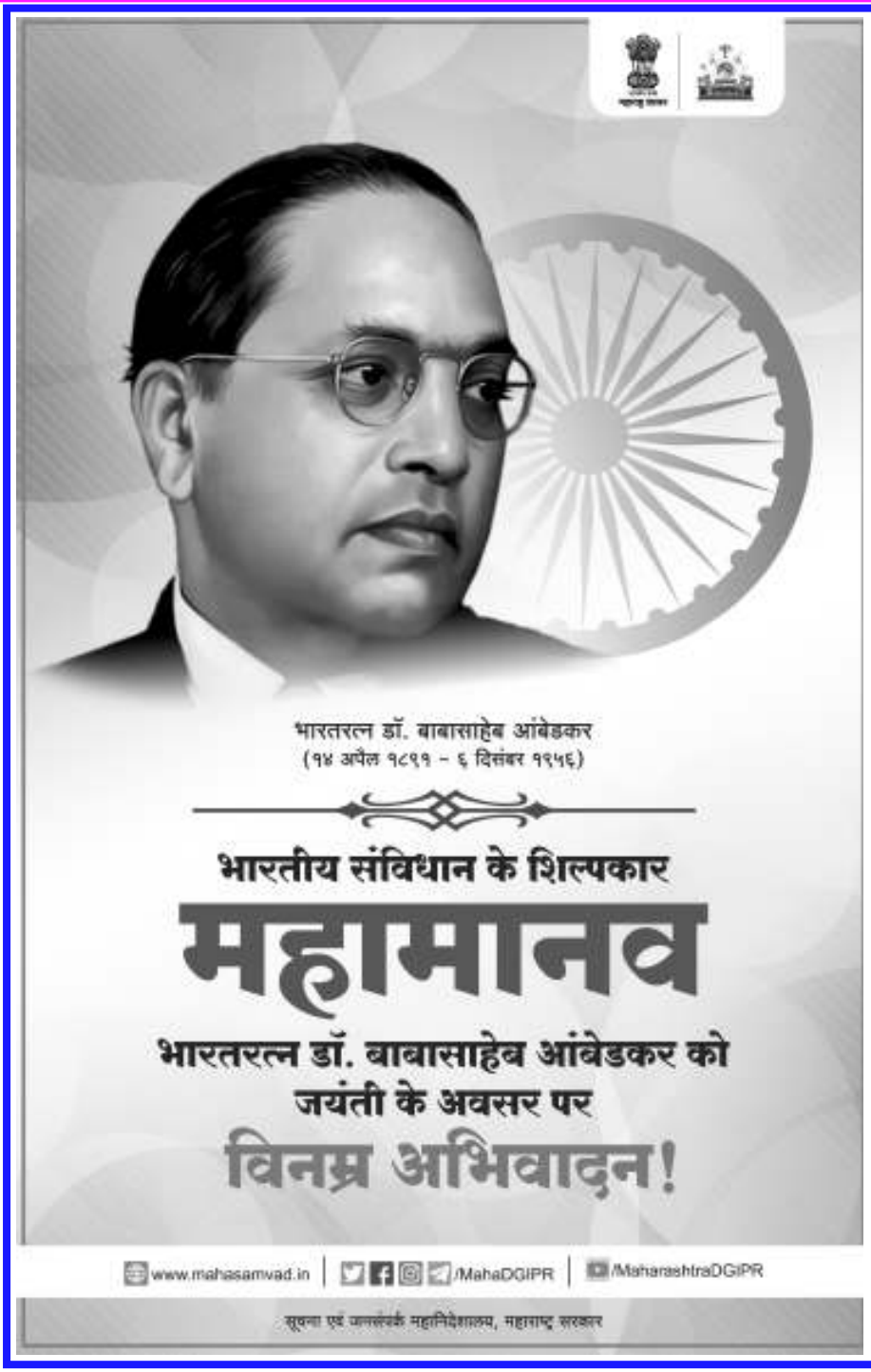

विदर्भ स्वाभिमान

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

किसी के साथ कभी छल नहीं करना चाहिए

पं.प्रदीप मिश्रा की कथा के मंडप का काम तेज, अभूतपूर्व बनाने की तैयारी है तेजी पर

विदर्भ स्वाभिमान

विशेष संस्कार पहल

मानवता की सेवा भी ईश्वर सेवा है

श्री विट्ठलेश सेवा समिति के प्रमुख और अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा के मुताबिक प्रभु को परमपिता कहते हैं. यानी हर इन्सान के परम पिता अगर प्रभु हैं तो किसी को भी तकलीफ होती है तो उन्हें तकलीफ होती है. मानवता की सेवा के माध्यम से हमेशा हम अपनी नजरों के साथ ही प्रभु की नजरों में भी पाक साफ हो सकते हैं. जो लोग किसी के साथ भी छल कर बहुत बड़े बन जाते हैं, एक समय ऐसा आता है कि वे प्रायश्चीत करना चाहते हैं लेकिन प्रकृति उन्हें प्रायश्चीत करने का मौका नहीं देती है. इसलिए ऐसा कोई कर्म नहीं करना चाहिए, जैसी हम अपेक्षा नहीं करते हैं. पंडित प्रदीप मिश्रा सदैव इसी बात पर जोर देते हैं.

मंडप के भूमिपूजन के साथ काम शुरू

अचलपुर- तहसील में जयस्वाल बंधुओं द्वारा आयोजित शिव महापुराण कथा के भव्य मंडप का भूमिपूजन हाल ही में मान्यवरों द्वारा किया गया है. मंडप का जहां काम भव्य पैमाने पर शुरू है, वहीं प्रकाश जयस्वाल के साथ ओमप्रकाश जयस्वाल द्वारा भी सभी के सहयोग से यहां होने वाली शिव महापुराण कथा को अभूतपूर्व बनाने का प्रयास किया जा रहा है. कथा के मदेदनजर प्रशासन भी तैयारियां में लगा है. चुनावी भागदौड़ के कारण प्रशासन का अभी ध्यान चुनाव पर है लेकिन पार्किंग से लेकर समय-समय पर अन्य व्यवस्थाओं के बारे में प्रशासन द्वारा भी मार्गदर्शन किया जाता है.

अच्छे कर्म कभी भी बेकार नहीं जाते हैं. वे किस रूप में हमारी मदद करते हैं, इसका एहसास वही कर सकता है, जो सदैव अच्छा करने का प्रयास करता है. ऐसे में हमें भी चाहिए कि हम जीवन में सदैव अच्छे काम करने के साथ ही सदैव जितना संभव हो उनता अच्छा करने का प्रयास करना चाहिए.पिछले रविवार को यहां पर हुई सभा में विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई. 5 मई को महिलाओं की भव्य कलशयात्रा निकलेगी और 6 मई से कथा शुरू होगी. इससे पहले पंडित प्रदीप मिश्रा का आगमन होगा और इस कथा में संभाग के साथ ही राज्यभर तथा देशभर से शिवभक्तों के उमड़ने की संभावना है. सुख्यात व्यवसायी जयस्वाल बंधुओं द्वारा 5 से 11 मई तक आयोजित शिव महापुराण कथा क़ी तैयारियां लगातार जारी हैं. मंडप के साथ ही भव्य नियोजन के लिए प्रशासन के साथ कई बार बैठकों का दौर हो रहा है. कथा का बड़ी संख्या में भक्तों से लाभ लेने और जीवन सफल करने का आग्रह जयस्वाल बंधुओं ने किया है.

त्याग,तपस्या, मर्यादा तेजपुंज श्रीराम

पेज 2 से जारी- प्रभु श्रीराम के नाम स्मरण की अगर महत्ता समझनी हो तो कुछ साल पहले धारावाहिक रामायण के दौरान वीरानी वाली स्थिति हो जाती थी. समूचे विश्व में शायद ही कोई ऐसा महान राजा हुआ हो, जिनके प्रति लोगों का यह सम्मान रहता है. क्या यह करोड़ों लोगों की दशा-अवस्था नहीं? क्या करोड़ों लोग आज भी इस सीरियल के प्रसारण को टकटकी लगाकर नहीं देखते, उसे देख-देख भाव-विह्वल नहीं होते? इतना ही नहीं तो श्रीराम के जीवन से जुड़े कई प्रसंगों को कलाकारों द्वारा साकार करते समय अगर लाखों लोगों की आंखें उनके दुख में नम होती हैं तो प्रभु श्रीराम की महानता का इससे बड़ा और क्या सबूत हो सकता है.

कई बार मेरा मन पूछता है कि क्यों होता है ऐसा बारंबार? कई बार मेरा मन यह भी पूछता है कि जिन करोड़ों लोगों की आँखें, मन-,प्राण, जिस एक चरित्र में बसे-रमे हों, आख़िर किन षड्यंत्रों के अंतर्गत उस चरित्र के बखान का कुछ लोग विरोध करते हैं? क्यों प्रसिद्ध पत्रकार रवीश कुमार को सूचना प्रसारण मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर से यह पूछना पड़ता है कि "ये लाखों-करोड़ों लोग कौन हैं जो रामायण के पुनः प्रसारण की माँग कर रहे हैं,'क्या इस सीरियल को मिली सर्वाधिक टीआरपी इसकी लोकप्रियता और इसे चाहने वालों की भारी संख्या बताने के लिए पर्याप्त नहीं? घर में नहीं खाना, पर्दे पर रामायण!'क्या यह सत्य नहीं कि श्रीराम का चरित्र और जीवन-संघर्ष हमें भी धीरज, साहस और संयम सिखाता है?

अयोध्या बना है सकारात्मक उर्जा का तेजपुंज-प्रभु श्रीराम के व्यक्तित्व में हम जितना जाने का प्रयास करेंगे, उसमें उतना ही डूबते जाएंगे. श्रीरामचरित मानस ऐसा महान ग्रंथ है, जिसकी एक-एक लाईन पर पीएचडी करने के बाद भी उस चौपाई का गूढ़ अर्थ समझना मुश्किल है. इसमें हर सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, मानवता की सेवा के महत्व, कर्म के महत्व के साथ ही हर उस सवाल का उत्तर दिया गया है. अयोध्या में श्रीराम मंदिर में प्रभु श्रीराम लला के विराजित होने के बाद जिस तरह का उत्साह अयोध्या के साथ पूरे विश्व में छाया है,उसकी अनुभूति इस साल के श्रीराम जन्मोत्सव पर निकली भव्य शोभायात्रा के दौरान भी दिखाई दी. सकारात्मक सोच के साथ ही घर,परिवार और राष्ट्र के प्रति अच्छी जिम्मेदारी निभाने वाली मानसिकता ही तो प्रभु श्रीराम का जीवन चरित्र सिखाता है. व्यक्ति सुधरेगा, परिवार सुधरेगा, समाज सुधरेगा तो निश्चित तौ पर राष्ट्र सुधरेगा. प्रभु श्रीराम जन्मोत्सव पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ और प्रभु श्रीराम के आदर्श विचारों का जीवन में हम अमल करते हुए अपने जीवन को सफल करें, यही कामना.श्रीराम से भी बड़ा राम का नाम का जिक्र स्वयं रामायण में भी किया है.

श्रीरामलला का अद्भुत सूर्यतिलक

प्रभु की लीला तो प्रभु ही जानें लेकिन अयोध्या में श्रीराम मंदिर के भव्य निर्माण और यहां पर बालस्वरूप प्रभु श्रीराम की मूर्ति की स्थापना के बाद से अयोध्या का उत्साह देखने लायक है. पूरे विश्व से लोग यहां प्रभु श्रीराम के दर्शन को आ रहे हैं. मंदिर निर्माण के बाद यहां प्रथम श्रीराम जन्मोत्सव के दौरान जिस तरह से वैज्ञानिक तथा प्राकृतिक तरीके सेप्रभु श्रीराम का 12 बजे सूर्य तिलक किया गया, यह घटना भी कम वैज्ञानिक और अलौकिक नहीं है.

500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद बने भव्य मंदिर में विराजे रामलला का ठीक 12 बजे भगवान सूर्यदेव ने जब अपनी रश्मियों से तिलक किया तो त्रेता युग जीवंत हो उठा. सूर्य की किरणें पांच मिनट तक रामलला के मस्तक पर विराजीं। इसका साक्षी बनकर भक्त निहाल हो उठे.राम जन्मोत्सव के पावन मुहूर्त ठीक 12:00 बजे राम मंदिर सहित रामनगरी के हजारों मंदिरों में शंख ध्वनि व घण्टा घड़ियाल की ध्वनि ने यह बता दिया कि रामलला प्रकट हो गए हैं.यह घटना सभी के लिए यादगार और अलौकिक ही कही जा सकती है.

विदर्भ स्वाभिमान

ज़ीवन में भाई तथा बहन का आत्मीय प्यार करोड़ों की दौलत से बढ़कर होता है. पैसे के लिए कभी भी रिश्तों को खराब नहीं करना चाहिए. हम सभी यात्री हैं, जीवन में कब कहां उतरना पड़ जाए कह नहीं सकते हैं, ऐसे में ऐसा काम करने का प्रयास करें, जिसके लिए याद रहें.

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	*1912*
पुलिस सेवा	*112*
अग्नि सेवा	*101*
एम्बुलेंस सेवा	*102*
यातायात पुलिस	*103*
आपदा प्रबंधन	*108*
चाइल्ड लाइन	*1098*
रेलवे पूछताछ	*139*
भ्रष्टाचार विरोधी	*1031*
रेल दुर्घटना	*1072*
सड़क दुर्घटना	*1073*
सीएम सहायता लाइन	*1076*
क्राइम सहायता	*1090*
महिला सहायता लाइन	*1091*
पृथ्वी भूकम्प	*1092*
बाल शोषण सहायता	*1098*
किसान काल सेन्टर	*1551*
नागरिक काल सेन्टर	*155300*
ब्लड बैंक	*9480044444*

जनसेवा में समर्पित व्यक्तित्व हैं मिलनसार शंकरलाल जयस्वाल

अमरावती-सामाजिक कामों में भी सदैव अग्रणी रहने वाले शंकरलाल जयस्वाल दिलदार व्यक्ति रहने के साथ ही स्वयं परेशान रहने के बाद भी सभी को मदद करने का भाव रखते हैं. राशन दुकान संचालक के साथ ही संत गजानन महाराज के जहां भक्त हैं, वहीं धार्मिक कार्य में वे और पत्नी दोनों ही सदैव प्रयासरत रहते हैं. यद्यपि स्वास्थ्य कारणों से कुछ परेशानी होती है लेकिन उनका कहना है कि जितना संभव हो सके, हर व्यक्ति को मानवता की सेवा का प्रयास करना चाहिए. उन्होंने हजारों मित्र परिवार बनाया है. किसी भी बात का गर्व जहां उन्हें नहीं रहता है, वहीं दूसरी ओर वे सदैव कहते हैं कि इन्सान का जीवन भाग्य से मिला है, ऐसे में जितना संभव हो सके, हर व्यक्ति को अपने स्तर पर काम करते रहना चाहिए. जीवन संगिनी भी सदैव उनके नेक कामों में उनका साथ देती हैं. वे कहते हैं कि परिवार की समझदारी और खुशी हर व्यक्ति को ताकत देती है. इसलिए पिता के कंधे से कंधा लगाकर काम करने वाला बेटा मिलने के बाद असंभव भी संभव होता है. इससे परिवार आगे बढ़ता है और घर में सदैव खुशी रहती है. वे युवाओं को माता-पिता की भावनाओं को समझने का संदेशभी देते हैं.

स्वभाव की सादगी और मिलनसार स्वभाव के कारण हजारों मित्र परिवार बनाए हैं.आदर्श आदर्श विचार और संस्कार जीवन में कभी पीछे नहीं लेकर जाते हैं. पहले और आज के दौर में जमीन आसमान का अंतर रहने की बात वे स्वीकार करते हैं. उनके मुताबिक पहले लोगों के पास पैसे कम थे लेकिन आत्मीयता अधिक थी. लोगों के चेहरे एक थे. लेकिन आज स्थिति अलग रहने की बात स्वीकार करते हुए कहा कि लेकिन यह भी संतोष की बात है कि आज भी समाज में अच्छे, समझदार तथा समाज के लिए कुछ करने की मानसिकता वाले लोग हैं. जयस्वाल समाज के सामाजिक कामों में भी सदैव अग्रणी रहने वाले शंकरलाल जयस्वाल मिलनसार स्वभाव के जहां धनी है, वहीं दूसरी ओर गरीबों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहते हैं. उनके मुताबिक प्रेम, आत्मीयता ऐसे इत्र हैं, जिनकी खुशबू लगातार बढ़ती रहती है. इतना ही नहीं तो जब हम किसी को प्रेम देते हैं तो उसका उत्तर हमें उसी रूप में मिलता है. सुबह राशन दुकान खुलने से लेकर बंद होने तक सदैव लोगों को सही मार्गदर्शन करने के साथ ही अन्य बातों पर भी जानकारी देते हैं. राशन के साथ ही मानवता की सेवा में सदैव लगे रहते हैं.

समाजसेवी शंकरलाल जयस्वाल की सादगी,विनम्रता किसी को भी प्रभावित करती है.सामाजिक के साथ ही शैक्षिक गतिविधियों में जहां लगे रहते हैं, वहीं दूसरी ओर गरीब छात्रों को सहायता करने में भी आगे रहते हैं. नवाथे अंडरबायपास के करीब निवासी शंकरलाल जयस्वाल के मुताबिक समाज के हर व्यक्ति को अपनी तरह से सामाजिक कामों में सहयोग देने तथा इसका हिस्सा बनने का प्रयास करना चाहिए.

अच्छा करो, अच्छा ही होगा

वे कहते हैं कि हमेशा अच्छी सोच के साथ मेहनत करने वाला कभी विफल नहीं होता है. इसलिए जितना संभव हो सके, प्रयास करते रहना चाहिए. शंकरलाल जयस्वाल के मुताबिक आज खेल-कूद की बजाय बच्चे मोबाइल पर अधिक लगे रहते हैं. यही कारण है कि इसकी वजह से शारीरिक रूप से कमजोर हो रहे हैं।युवाओं को माता-पिता की भावनाओं को समझने और मेहनत और समर्पण के माध्यम से स्वयं का जीवन संवारने का आग्रह किया. वे कहते हैं कि जब हम अच्छे रहेंगे, मेहनत करेंगे तो निश्चित तौर पर हमें सफलता मिलना शतप्रतिशत तय है.

मानव सेवी, धार्मिक,दिलदार व्यक्तित्व हैं सीए रतन शर्मा

सादगी से जीतते हैं मन, मेहनत को मानते माध्यम

माता-पिता का आशिर्वाद, जीवन में मेहनत, लगन और समर्पण सफलता की चाभी है. विनम्रता के कारण ही संपर्क बढ़ता है. जिसके पास यह बातें होती है, वह किसी भी क्षेत्र में कभी विफल नहीं हो सकता है. इसलिए सम्पन्नता में विनम्रता होनी चाहिए. यह कहना है शहर के सुख्यात चार्टर्ड अकाउंटंट, सामाजिक,धार्मिक कामों में अग्रणी सीए रतनभैया शर्मा का. उनकी सादगी प्रभावित करती है.

मानवता की सेवा, सभी को समझने की मानसिकता ही जीवन में कई समस्याओं का निराकरण करती है. यदि हम सकारात्मक सोच को जीवन में अपना लें तो निश्चित तौर पर सफलता मिलना ही है. माता-पिता का आशिर्वाद जिसे मिलता है, वह कभी पीछे नहीं रह सकता है. इसी के तहत जीवन आदर्श तरीके से जीने वाले व्यक्ति के रूप में सीए रतनभैया शर्मा हैं. उनके साथ एक बार मुलाकात करने वाला व्यक्ति भी उनकी सादगी से बगैर प्रभावित हुए नहीं रहता है. शहर ही नहीं तो बेहतरीन चार्टर्ड अकाउंटंट के रूप में जिले तथा विदर्भस्तर पर सुख्यात हैं. लेकिन सम्पन्नता में भी विनम्रता कैसी होनी चाहिए, इसका उदाहरण रतन शर्मा हैं. किसी को भी यथासंभव सही मार्ग बताने वाले व्यक्ति हैं. बातचीत में उनकी सादगी जहां किसी के भी दिल को प्रभावित करती है, वहीं आदर्श आचार-विचार और संस्कारों को अत्याधिक महत्व देते हैं. जीवन में माता-पिता को अत्याधिक महत्व देने के साथ ही संयुक्त परिवार को अत्याधिक महत्वपूर्ण जहां वे मानते हैं, वहीं उनका कहना है कि जब हम अन्यों को खुशियां बांटने का काम करते हैं तो प्रभु हमारी खुशियों को कभी बाधा नहीं बनने देते हैं.जिंदगी में वे फूल का उदाहरण देते हैं. जो तोड़ने वाले को भी खुशबू देता है. इसी तरह हमारे अच्छे काम सदैव हमें प्रोत्साहित करते हैं. वे कहते हैं कि बड़े भाग्य से इन्सान का जीवन मिला है. इसका अगर किसी के लिए उपयोग हो सकता है तो करने का प्रयास करना चाहिए. किसी को सुख देने से बड़ा पुण्य नहीं है और किसी को तकलीफ देने से मन दुखाने से बड़ा पाप नहीं है.भैया को जन्मदिन की विदर्भ स्वाभिमान परिवार की करोड़ों मंगलमय शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, उनकी सभी मनोकामनाएँ पूरी हों, प्रभु चरणों में यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

सदस्यता पंजीयन शुरू

विदर्भ स्वाभिमान नारी युवा मंच की सदस्यता पंजीयन का अभियान आरंभ हो गया है. आप भी फार्म भरकर सदस्य बनकर अपनी खुशियों को बढ़ाने का काम कर सकती हैं. सदस्य बनने के लिए कार्यालय में संपर्क करें.

मो. 8855019189
9518528233

सामजिक,धार्मिक कामों में सदैव अग्रणी रहने वाले यारों के यारों , हरदिल अजीज व्यक्ति
सीए रतनभाऊ शर्मा

आपको
जन्मदिन
की हार्दिक शुभकामनाएं

—शुभेच्छुक -
सीए रतन शर्मा मित्र परिवार,
विदर्भ स्वाभिमान परिवार,अमरावती, अकोला, यवतमाल.

विदर्भ स्वाभिमान

वार्ड संवाददाता चाहिए

अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से बेहतरीन कमाई भी कर सकते हैं. मेहनत करने की तैयारी वाले ही तत्काल संपर्क करें

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती

मो. 9423426199/8855019189

भीषण गर्मी से सड़कें हो रही दोपहर में वीरान

अमरावती - पिछले एक सप्ताह से भीषण गर्मी ने असर दिखाना शुरू कर दिया है. इससे शहर के व्यस्ततम मार्गों पर दोपहर में वीरानी वाली स्थिति है. शहर का तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से अधिक है. इससे दोपहर में सड़क पर पूरी तरह से वीरानी वाला नजारा रहता है. लोगों के मुताबिक गर्मी ने त्राहि-त्राहि वाली स्थिति की है. बेमौसमी बारिश ने किसानों का बेड़ा गर्क कर दिया है.

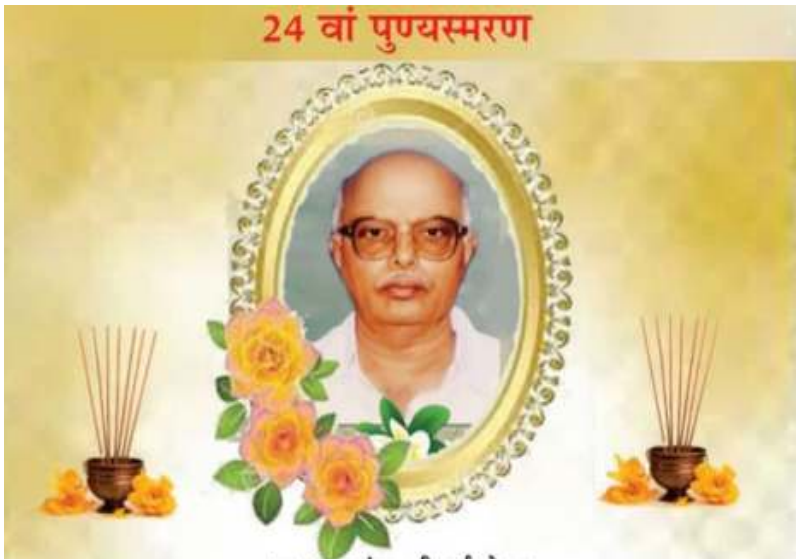

धर्मपरायण व्यक्तित्व थे स्व.मंगलजीभाई पोपट

शहर में समाजसेवा, वैद्यकीय सेवा के साथ ही व्यवसाय में चोटी पर रहने वाले पोपट परिवार के पितृपुरूष स्व.मंगलजीई पोपट के आदर्श संस्कार सभी को सदैव याद रहेंगे. अपने जीवन में जहां धर्म-कर्म में सदैव अग्रणी रहते थे, वही संस्कार बच्चों में भी है. जहां कई लोगों की उपलब्धियों के कारण समूचे राज्य में अग्रणी है, वहीं यहां पर कई बातें हैं जो अमरावती का नाम राज्य ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर चमकाती हैं.व्यवसायी रघुवीर परिवार का नाम भी आगे रहता है. मानव सेवा के कार्य में संचालक पोपट परिवार ने स्वयं को झोंक दिया है. इसका श्रेय उनके पिता, समाजसेवी, सफलतम व्यवसायी के साथ ही क्रिक्रेट के शौकीन के रूप में पहचान रखते हैं. संघर्षों से जूझते हुए उन्होंने जिस मुकाम पर रघुवीर को पहुंचाया और पिता के बाद बेटों ने उनके ही आदर्श विचारों, पदचिन्हों पर चलते हुए जिस तरह से नाम कमाया है, वह अपने आप में अनुकरणीय है. धर्म परायण,समाजसेवी व्यक्ति थे स्व.पू.मंगलजीभाई पोपट बहुगुणी व्यक्तित्व थे. श्याम चौक पर छोटे से पान ठेले से आरंभ हुआ सफर आज अमरावती में व्यवसाय के वटवृक्ष के रूप में आगे आया है. रघुवीर ग्रुप ने स्वाद के क्षेत्र में जहां नाम कमाया, वहीं आज भी रघुवीर के प्रतिष्ठान में उमड़ने वाले नागरिकों की भीड़ उनके बेहतरीन गुणवत्ता, तत्पर सेवा का परिचायक है. पिता से ही मिली आदर्श सीख पर चलते हुए पोपट परिवार द्वारा समाज कार्यों की श्रृंखला चलाई जाती है. कोरोना महामारी के कठिन दौर में भी दिलीपभाई पोपट के नेतृत्व में जलाराम सत्संग मंडल द्वारा भोजनदान का निरंतर कार्यक्रम चलता रहा. पिता के आदर्श विचारों को ही जीवन की दिशा मानने वाले पोपट बंधुओं का नाम शहर ही नहीं तो जिले में सम्मान के साथ लिया जाता है. इसका पूरा श्रेय पूज्य पिताश्री मंगलजीभाई पोपट के आदर्श आचार-विचार और संस्कारों को जाता है. सदैव विश्वास और ईमानदारी के पर्याय के रूप में जीवनभर सिद्धांतों पर जिए. घुमाने-फिराने की बजाय वे जहां स्पष्ट वक्ता थे, वहीं जीवनभर व्यवसाय हो अथवा निजी जिंदगी, कभी सिद्धांतों के साथ समझौता नहीं किया. बोलने में स्पष्टता के साथ ही उनका दिल इतना दरियादिल और आत्मीयता से भरा था कि जरूरतमंदों की मदद को सदैव तत्पर रहते हैं. लेकिन किसी भी गलत दवाब को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करते थे.जहां बात ईमानदारी की होती है, पारदर्शिता की होती है, आज भी उनका नाम सम्मान से लिया जाता है.उनके 24वें स्मृति दिवस पर विनम्र आदरांजलि. प्रभु उनकी दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करें, यही कामना.

खुशियों के हर प्रकार के रंग

उपाध्याय ड्रायफ्रूटस एन्ड फुड के संग

स्वाद,सेवा के लिए जाना जाता है श्री बालाजी कैटरर्स

पिता-पुत्र-माता की मेहनत दिखा रही है असर

द्वारका व्यास, अर्जुन की पिता-पुत्र जोड़ी ने बनाई इमेज, गुणवत्ता से नहीं करते हैं समझौता

ग्राहकों के विश्वास को मानते हैं अपनी असली कमाई, मिला प्रतिसाद

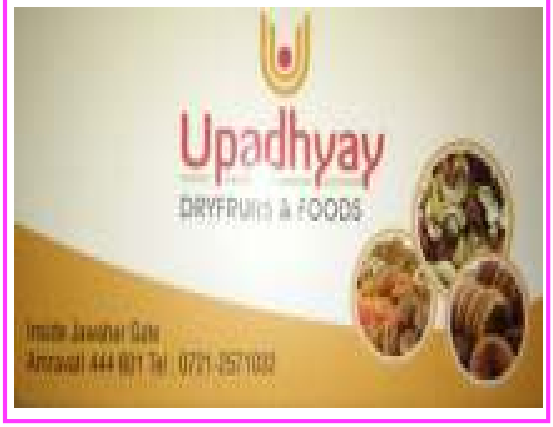

अमरावती- शहर ही नहीं तो बेहतरीन कैटरिंग सेवा में समूचे जिले और विदर्भ ही नहीं तो राज्यस्तर पर अपना स्वयं का स्थान रखने वाले श्री बालाजी कैटरर्स ने ग्राहकों के दिलों में स्थान बनाया है. पिता द्वारका के साथ ही पुत्र अर्जुन ने जहां कंधे से कंधा मिलाते हुए व्यवसाय को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया है, वहीं विदेशी टीम के साथ ही कैटरिंग सेवा देने का श्रेय इसी को जाता है. यही कारण है कि वर्षों से स्वयं का स्थान पैदा किया है. अपनी कामयाबी को ग्राहकों के विश्वास को वह समर्पित करते हैं.

प्रसाद कहते हैं कि अगर आप में करने की कुछ करने की तैयारी है, मेहनत से डरने वाली मानसिकता नहीं है तो आप हर जगह सफल होंगे. इस बात को साबित किया है श्री बालाजी कैटर्स के संचालक द्वारका व्यास और पुत्र अर्जुन व्यास ने. आज बेहतरीन और गुणवत्ता वाली सेवा का पर्याय बनकर उभरा है. पिता-पुत्र की इस जोड़ी ने अपने कामों से जहां ग्राहकों को संतुष्ट किया है, वहीं दूसरी ओर इनकी गुणवत्ता और बेहतरीन स्वाद के लिए भी सर्वत्र चर्चा होती है. उनके मुताबिक ग्राहकों का संतोष ही उनकी असली कमाई रहती है. संघर्षों से जूझते हुए पिता-पुत्र की जोड़ी ने यह मुकाम हासिल किया है. इसमें सौ. मंजू व्यास की प्रोत्साहन वाली भूमिका जहां रही है, वहीं माता-पिता का आशिर्वाद ही इस मुकाम तक पहुंचाने की बात वे गौरव के साथ कहते हैं. क़ामयाबी की मंजिल के बाद भी उनके पैर जमीन पर ही हैं. ग्राहकों से जिस आत्मीयता के साथ बातचीत करते हुए कम से कम खर्च में बेहतरीन भोजन सहित अन्य इंतजाम करते हैं. शहर ही नहीं तो उनकी कैटर्स सेवा का दायरा समूचे जिले और संभाग तक फैसला हुआ है. हजारों लोगों के बेहतरीन भोजन से लेकर अन्य सुविधाएं जुटाने, रशियन संगीत टीम को बुलाने के साथ ही हर सुविधा उपलब्ध कराने में श्री बालाजी कैटरर्स ने सफलता प्राप्त की है.ग्राहकों के विश्वास को अपनी सबसे बड़ी कमाई जहां मानते हैं, वहीं दूसरी ओर लोगों के प्यार पर खरा उतरने की कोशिश करते हैं. सफलतम व्यवसायी व्यास परिवार को हमारी हार्दिक शुभकामनाएं, वे इसी तरह आगे बढ़ते रहें.

हर घर में हो यह किताब

माता-पिता की उपेक्षा करने वाले घर में कभी शांति, सम्पन्नता नहीं रह सकती है. यदि रही भी तो आत्मिक सुकून बिल्कुल नहीं रहता है. आदर्श विचार जीवन में खुशी का केन्द्र रहते हैं. ऐसे में माता-पिता की सेवा के महत्व, उससे होने वाले चमत्कार, माता-पिता की सेवा नहीं करने के परिणाम को दिखाने का प्रयास इस किताब में किया गया है. बच्चों में बेहतरीन संस्कार के लिए यह जरूरी है.संस्कार का जीवन में कितना महत्व है, इस पर किताब में प्रकाश डाला गया है. प्राप्ती के लिए संपर्क करें. कीमत केवल 125 रूपए. जिस घर में माता-पिता हंसते हैं, भगवान वहीं पर बसते हैं.आजमाकर देखें.

मो. 9423426199/8855019189

राधा मधुसूदन सनातन संस्कृति संस्था क़ी आदर्श पहल

108 कथाओं में से 47 वीं कथा भक्तिभाव से हुई

विदर्भ स्वाभिमान, 17 अप्रैल

अमरावती- राज्य के लाखों युवाओं को व्यसनों से मुक्त कराने तथा संस्कारों को बढ़ावा देने, भारतीय संस्कृति और संस्कारों को प्रोत्साहित करने के लिए देश में पहली बार किसी समाजसेवक द्वारा राज्यभर में 108 कथाओं का आयोजन किया गया है. सुख्यात समाजसेवी और पतंजलि के राष्ट्रीय पदाधिकारी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया के इस प्रयास की सराहना की जा रही है. इस कड़ी में 108 में से 47वीं कथा हाल ही में सम्पन्न हुई. हर कथा में कथा प्रवक्ता द्वारा भारतीय संस्कृति, संस्कारों को बढ़ावा दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर युवा पीढ़ी को व्यसनों से दूर रहने की सीख दी जा रही है. राज्यस्तर पर इस आयोजन की सराहना के साथ ही संस्था की भी सराहना की जा रही है.

राधा मधुसूदन सनातन संस्कृति संस्था और श्री हरि कृपा फाउंडेशन द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया था. राधा मधुसूदन सनातन संस्कृति संस्था के मुख्य चंद्रकुमार जाजोदिया (लप्पीभैया) ने 108 कथा का संकल्प लिया था. जिसकी कथाएं पूरे महाराष्ट्र भर में चल रही है और 47वी कथा हो चुकी है. इस कथाओं का उद्देश्य यह है युवा पीढ़ी को नशा मक्ति करना सनातन हिंदू धर्म के बारे में जागृत करना. इस कथा के कथा वाचक आत्मतत्वदास प्रभु थे और अवधुती भजनी मंडल वह गाजीपुर के हरिप्रेमी का विशेष रूप से सहयोग रहा है. इस कथा में समस्त गांव वासियों के लिए शोभायात्रा, हरि भजन और महाप्रसाद जी का आयोजन किया गया था.इस कथा में विशेष रूप से पांडुरंग जी महाराज, विनोद भोयर, स्वाती महल्ले. प्रतीक्षा महल्ले. सुरक्षा महल्ले. पियूष महल्ले. मुरलीधर राव महल्ले. संतोष राव महल्ले. किशोर राव महल्ले. सुलभाताई महल्ले, ललीता ताई महल्ले, ज्योती ताई महल्ले, पियूष संतोष महल्ले, स्वाती, प्रतिक्षा, सुरक्षा, श्री संतोषराव महल्ले, श्री किशोरराव महल्ले, श्री मुरलीधरराव महल्ले, सौ. ललीताताई महल्ले, सौ. ज्योतीताई महल्ले, सौ. सुलभाताई महल्ले, स्पेश मुरलीधर महल्ले, प्रियाताई स्पेश महल्ले, अर्णव स्पेश महल्ले, दत्तरामजी महल्ले, कुसुम बाई महल्ले, पांडुरंग महाराज, विनायक भोयर, विनोद भोयर, काजल भोयर, सीमा भोयर, जितू भोयर, हर्षा भोयर, उपस्थित थे. उल्लेखनीय है कि समाजसेवी लप्पीसेठ जाजोदिया द्वारा अमरावती में हुई पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा में अहम भूमिका थी. स्वयं पंडित प्रदीप मिश्रा ने उनकी सराहना की थी.

मर्यादा पुरूषोत्तम, जन-जन के प्राण प्रभु श्रीराम जन्मोत्सव की समस्त देशवासियों को मंगलमय

हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छुक - चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया

परिवार, मधुसूदन ग्रुप, अमरावती, मुंबई.

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

दीन-दलितों, पीड़ितों के मसीहा थे डॉ.आंबेडकर-बलवंत वानखडे

अमरावती- राष्ट्रीय एकता के साथ ही विकास और सभी को न्याय दिलाने का महान कार्य भारत रत्न डॉ.बाबासाहब आंबेडकर ने किया है. भारतीय संविधान को पूरे विश्व में सबसे बेहतरीन संविधान कहा जाता है. इसके लिए उन्हें श्रेय दिया जाता है. हर स्थिति से निपटने की ताकत हमारे संविधान में है. समूचे विश्व में भारत और भारतीयों को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है. भारतीय संविधान को विश्व के सर्वश्रेष्ठ संविधान के रूप में देखा जाता है. यह संविधान की ही महत्ता है कि तमाम विपरीत स्थितियों के बाद भी देश एकता के साथ आगे बढ़ रहा है. इसका पूरा श्रेय भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बाबासाहब आंबेडकर को ही है. उनकी जयंती पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं. दीन-दलितों, पीड़ितों के मसीहा के रूप में वे राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि विश्वस्तर के महानायक थे. उनके प्रयासों से तैयार संविधान के कारण ही आज देश मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है. डॉ.बाबासाहब आंबेडकर के विचारों पर चलने से ही देश सर्वांगीण प्रगति करेगा. इसलिए हर व्यक्ति को भारत रत्न डॉ. बाबासाहब आंबेडकर के विचारों पर चलना चाहिए. देश की एकता, अखंडता के साथ ही भाईचारा मजबूत करने की आज जरूरत है. इसलिए सभी को इस दिशा में प्रयास करना चाहिए. डॉ.बाबासाहब आंबेडकर जयंती के साथ ही दर्यापुर में विकास की गंगा बहाने वाले कांग्रेसी विधायक बलवंतराव वानखेडे ने मुस्लिम बंधुओं का पवित्र रमजान महीना शुरू रहने से उन्हें भी रमजान की मुबारकबाद दी. उनके मुताबिक हर पर्व खुशियों औरप मानवता की सीख देते हैं. उन्होंने कहा कि पिछले दो साल से जिस तरह की स्थितियां पैदा हुई थीं, उनके चलते पूरा समाज, पूरा देश ही नहीं तो विश्व परेशान था. लेकिन अब स्थितियां सुधर रही हैं. ऐसे में सभी को मानवता की सेवा के लिए कार्य करने का संकल्प

डॉ.बाबासाहब आंबेडकर जयंती से लेना चाहिए.

जाति,धर्म, पंथ से देश महान और प्राथमिकता होने की सीख भी विधायक वानखेडे ने दी. मानवता की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा होती है. इसलिए जितना संभव हो सके सभी को मानवता की सेवा करने का प्रयास करने की जरूरत उन्होंने जताई.विधायक बलवंतराव वानखडे स्वयं भी सामाजिक कामों में सदैव अग्रणी रहते हैं. उनके मुताबिक हर जाति, धर्म तथा पंथ में मानवता की सेवा का संदेश दिया गया है.सामाजिक कार्यों में अग्रणी रहने वाले वानखेडे ने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान मानवता की सेवा की मिसाल प्रस्तुत की थी.उनके मुताबिक इंसानियत तथा राष्ट्रधर्म से बड़ा कुछ नहीं होता है.विधायक बलवंत वानखडे ने सभी को मानवता की सेवा करने और सभी को इसके लिए प्रेरित करने का आग्रह किया.

विकास के साथ मानव सेवा को महत्व दें

विधायक बलवंत वानखडे जमीन से जुड़े कार्यकर्ता रहें हैं ऐसे में वे जनता की समस्याओं को बखूबी समझते हैं. उनके मुताबिक विधायक के रूप में लोगों ने जो विश्वास जताया है, उसे पूरा करने का प्रयास करते हैं. वे कहते हैं कि राजनीति केवल चुनाव तक होनी चाहिए. चुनाव में सभी उतरते हैं जीतने के लिए लेकिन यह ध्यान देना चाहिए कि आपस में स्वस्थ वैचारिक स्तर रहना चाहिए. अमरावती जिला विकास में कुछ समय से पिछड़ने की बात कहते हुए वे कहते हैं कि यहां पर विकास की अपार संभावना है. संभागीय मुख्यालय नगरी रहने के बाद भी जिले का जैसा विकास होना चाहिए, वैसा नहीं हो सका है. विभिन्न सभाओं में सर्वधर्म समभाव के महत्व को बताते हुए वे कहते हैं कि जहां शांति रहती है, वहां प्रगति के रास्ते अपनेआप खुल जाते हैं. ऐसे में यह जरूरी है कि हम विकास को अत्याधिक महत्व दें. जिले में बेरोजगारी तेजी से बढ़ रही है. बेरोजगारी को खत्म करने के लिए बड़े उद्योग, बेलोरा हवाई अड्डे के साथ एमआईडीसी विकास पर ध्यान देने की बात कही.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा
शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.
--संपर्क--
प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन 1967 पासून
अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट
संजय एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.
फोन 2564125,2674048

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो
डङ्खड्ड्ढ्रङ्खण्ड्ड इ्रङ्खड्ड्ढन्नुढ्ढ ञ्च्न्ड्ढदय्ती
आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क़ी विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.
राजपुरोहित फोटो स्टुडियो
कृष्णार्पण कॉलोनी, संत लहानुजी महाराज मंदिर के पास,अमरावती.अमरावती.
मो.9028123251

विदर्भ स्वाभिमान
विज्ञापन सहयोगी चाहिए
विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.
संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे
मोबाइल 9423426199

उम्र के ५० बाद चिंतन करना शुरू करें

ज़ीवन में जिन लोगों को गरीबी से तेजी से आगे बढ़ाते हुए प्रभु ने इस लायक समर्थ किया है कि वे स्वयं के साथ ही समाज के किसी दबे-कुचले व्यक्ति की भी मदद कर सकें, ऐसे लोगों को यह करने का प्रयास करना चाहिए. वैसे भी हमारी कमाई जब अच्छे कामों में लगती है तो प्रभु की कृपा के साथ ही बरकत भी बनी रहती है. देने वाले को प्रभु देने में जैसे कमी नहीं करते हैं, वैसे ही केवल लेने की मानसिकता वाले को भी बिना झटका दिए नहीं रहते हैं. इसलिए कोशिश करें कि हम अपने साथ ही अन्यों के लिए भी कितना जी पाते हैं, बड़ा आनंद मिलेगा.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 21 से 27 मार्च 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 39 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत है. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे.

ज़ीवन में हमें कभी ऐसे रिश्ते नहीं मानने चाहिए, जो हमें अपने प्रेम का गुलाम समझने लगे. कई लोग जीवन में स्वार्थ के लिए ही रिश्ते बनाते हैं. लेकिन वे कभी किसी के नहीं हो पाते हैं. उनका जब तक स्वार्थ रहता है, वे रिश्तों को निभाने का नाटक करते हैं, स्वार्थ पूरा होने के बाद रिश्तों को तोड़ने की भाषा बोलने लगते हैं. ऐसे रिश्तों से सदैव सतर्क रहना चाहिए.

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com